MAHD–04

December – Examination 2023

M.A. (Previous) Examination

HINDI

(काव्यशास्त्र एवं समालोचना)

Paper : MAHD-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (i) 'शब्दार्थौ सहितौ काव्यम्' का आशय लिखिए।

   (ii) 'शक्ति' काव्यहेतु से क्या तात्पर्य है ?

(iii) रीति सिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य का नाम लिखिए।

(iv) साधारणीकरण किसे कहते हैं ?

(v) शृंगार रस के अनुभाव लिखिए।

(vi) 'कला प्रकृति का अनुकरण करती है।' उक्त कथन किसका है ?

(vii) 'एस्थेटिक' ग्रंथ के रचनाकार कौन हैं ?

(viii) मार्क्स का सिद्धान्त किस वाद पर आधारित है ?

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

3. आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य-प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

4. 'ध्वनि-काव्य' से क्या तात्पर्य है ? इसके प्रमुख भेद कौन-कौनसे हैं ?

5. 'रीति सिद्धान्त' विषयक विभिन्न आचार्यों की प्रतिस्थापनाओं को लिखिए।

6. 'रस निष्पत्ति' का आशय स्पष्ट करते हुए इसकी प्रक्रिया को समझाइए।

7. अरस्तू के विरेचन सिद्धान्त की उपयोगिता को रेखांकित कीजिए।

8. साधारणीकरण सिद्धान्त में भट्टनायक की मान्यताओं का विवेचन कीजिए।

9. इलियट के साहित्यिक चिंतन की समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. वक्रोक्ति के विविध भेदों का परिचय देते हुए आचार्य कुंतक के काव्यात्मा सम्बन्धी दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

11. रसावयव किसे कहते हैं ? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

12. 'अभिव्यंजना' क्या है ? क्रौचे की मान्यता के आलोक में समीक्षा कीजिए।

13. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) काव्य हेतु

(ii) रस के प्रकार